

मतदान की पूर्व संध्या पर राहुल गांधी ने अपना हाइड्रोजन बम फोड़ा

उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करके आरोप लगाया कि पच्चीस लाख वोट चोरी किये गए हैं तथा आठ चुनाव क्षेत्रों में बाइस हजार वोट मैनेज किये गये हैं

-रेणु मित्तल-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर राहुल गांधी ने आज तीखा हमला बोलेते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इस्तीफा दे देना चाहिए। उन्होंने भाजपा नेतृत्व पर हरियाणा में जनता का जनादेश “चुराकर” एक अवैध सरकार बनाने का आरोप लगाया।

राहुल ने हाइड्रोजन बम फोड़ा, जिसमें उन्होंने विस्तार से बताया कि किस तरह भाजपा नेतृत्व ने भारत निर्वाचन आयोग के साथ मिलीभगत करके हरियाणा विधानसभा चुनाव में वोट चोरी की और एक “फर्जी तथा गैरकानूनी” सरकार स्थापित की।

तथ्यों, ऑकड़ों, उदाहरणों और टोस सबूतों के साथ राहुल ने यह साबित किया कि कांग्रेस पार्टी हरियाणा

- यह संख्या, विजेता और दूसरे नंबर पर आए उम्मीदवार के वोटों के फर्क के बराबर सी ही हैं।

- राहुल गांधी के अनुसार, यह जीत का मॉडल भाजपा और चुनाव आयोग ने मिलकर इजाद किया और क्रियान्वित किया, हरियाणा में और अब बिहार में दोहराया जा रहा है।

- भाजपा का प्रत्यारोप है कि राहुल अपनी हार की पाल बाँध रहे हैं।

विधानसभा चुनाव में स्पष्ट रूप से जीत रही थी, लेकिन वोट चोरी के कारण धोखाधड़ी से बनी भाजपा सरकार को सत्ता में बैठा दिया गया।

राहुल का यह “एच-बम” बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक एक दिन पहले छोड़ा गया, जहाँ

कांग्रेस महागठबंधन के तहत, भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए के खिलाफ चुनाव लड़ रही है।

यह अभी स्पष्ट नहीं है कि राहुल गांधी के इस खुलासे का बिहार चुनाव पर क्या प्रभाव पड़ेगा, लेकिन राहुल ने दावा किया कि बिहार में भी भाजपा ने

लाखों वोट जोड़ने और हटाने का खेल खेला है, जिससे चुनाव परिणामों पर गंभीर असर पड़ सकता है।

राहुल ने यह भी स्वीकार किया कि हाँ, इसका बड़ा असर हो सकता है और संभव है कि कांग्रेस को बिहार में हार का सामना करना पड़े।

राहुल ने दावा किया कि “कांग्रेस की जीत को हार में बदलने और भाजपा को विजेता घोषित करने के लिए एक पूर्व नियोजित योजना बनाई गई थी।” उन्होंने दावा किया कि “करीब 2.5 लाख वोट चोरी किए गए और आठ विधानसभा क्षेत्रों में 22,000 वोटों का हेरफेर किया गया, जो दोनों दलों के बीच के अंतर के बराबर था।”

राहुल ने कहा, “कांग्रेस को छोड़ दीजिए, यह इस देश के युवाओं के (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हाई कोर्ट बार एसोसिएशन के चुनाव 12 दिसंबर को

जयपुर, 5 नवंबर राजस्थान हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, जयपुर के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व महासचिव सहित अन्य पदों के लिए 12 दिसंबर को होने वाले वार्षिक चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर दिया है। वहीं चुनाव प्रक्रिया पूरी करवाने के लिए अधिवक्ता जयप्रकाश

- चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा हुई।

गुप्ता, दिनेश पाठक और नरेन्द्र सिंह शेखावत की तीन सदस्यीय समिति बना दी गई है।

समिति सदस्य दिनेश पाठक ने बताया कि “वन बार वन वोट” के तहत 10 नवंबर से अधिवक्ता शपथ पत्र भरना शुरू कर देंगे। वहीं 19 नवंबर को बार एसोसिएशन में मतदान करने वाले अधिवक्ताओं को सूची जारी कर दी जाएगी और 22 नवंबर को अंतरिम मतदाता सूची जारी की जाएगी। अंतरिम मतदाता सूची में 25 नवंबर तक यदि कोई संशोधन होगा तो वह किया जाएगा। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा की राष्ट्रीय राजनीतिक स्थिति प्रभावित हो सकती है और उसके साथ ही एनडीए में टीडीपी की भूमिका भी प्रभावित हो सकती है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर में नीट की छात्रा ने आत्महत्या की

जयपुर, 5 नवंबर। महेश नगर थाना इलाके में पीजी में रह रही नीट छात्रा ने अपने कमरे में फंदे से लटक कर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना की जानकारी मिलने के बाद हॉस्टल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतार पोस्टमार्टम के लिए सवाई मानसिंह अस्पताल के मर्दाघर में भिजवाया और घटना की जानकारी मृतक छात्रा के परिजनों को दी।

थानाधिकारी सुरेश यादव ने बताया कि 17 वर्षीय नीट छात्रा दौसा के सिकंदरा इलाके की रहने वाली थी और त्रिवेणी नगर स्थित चौधरी ग्लर्स पीजी

- दौसा के सिकंदरा की रहने वाली छात्रा त्रिवेणी नगर में पीजी हॉस्टल में रह कर तैयारी कर रही थी।

में रहकर नीट की तैयारी कर रही थी। बुधवार सुबह उसकी कमरा पार्टनर कोरिंग के लिए चली गई। पीछे से छात्रा ने कमरे में फंदा लगाकर सुसाइड कर लिया। दोपहर करीब 1:30 बजे कमरा पार्टनर पीजी लौटी। कमरा अंदर से बंद होने पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाया और आवाज लगाई। जबवा नहीं मिलने पर पीजी संचालक और सहेलियों को बताया। धक्का देकर गेट खोलने पर कमरे में छात्रा फंदे से लटक की मिली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रथम चरण की 121 सीटों पर एनडीए का पलड़ा कुछ भारी लग रहा है

हालांकि, भाजपा की स्थानीय इकाई में नेतृत्व कमज़ोर है तथा हिन्दुत्व का आकर्षण भी घटा है तथा नीतीश कुमार का स्वास्थ्य व याददाश्त शोचनीय है

- महागठबंधन टिकटों के बँटवारे पर उत्पन्न आत्मघाती मतभेदों से कभी उभर नहीं पाया और अभी भी बारह सीटों पर फ्रेंडली फाइट (मैत्रीपूर्ण युद्ध) जारी है।

- तेजस्वी यादव के महत्वाकांक्षी वादों, हर महिला को तीन हजार रुपये देना और हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की बात को जनता अविश्वसनीय व अव्यवहारिक मान रही है।

- प्रशांत किशोर दोनों गठबंधनों के वोट कांटेंगे, पर ज्यादा महागठबंधन के।

- पर, यह भी सच है कि चुनाव का एजेंडा प्रशांत किशोर ने तय किया और सभी पार्टियाँ उनके एजेंडा, बेरोज़गारी, यूथ का पलायन, शिक्षा व सुलभ-स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धि का नारा दोहरा रही हैं।

ही, गठबंधन को बागी उम्मीदवारों की गंभीर समस्या का सामना भी करना पड़ रहा है, जो निर्दलीय के रूप में मैदान में है।

स्थिति को और खराब किया है महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के

उम्मीदवार तेजस्वी यादव के अविश्वसनीय वादों ने, जैसे महिलाओं को 30,000 रुपये देने का वादा और हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी प्रदान करने का दावा। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप व उनकी टीम को सामान्य अमेरिकी के दुख दर्द की बेहरमी से अनदेखी करना ले बैठा

एक तरफ तो सरकारी कर्मचारियों को सरकार के शटडाउन होने से लंबे समय से वेतन नहीं मिल रहा था, दूसरी ओर ट्रंप भव्य भोज आयोजित कर रहे थे, फाइव स्टार क्लब व विला और रिसॉर्ट में

-अंजन रॉय-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। अमेरिका में लोकतंत्र एक बार फिर मजबूती से अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा है। हाल ही में हुए कई चुनावों, जिन्हें राजनीतिक विश्लेषकों ने राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के शासन पर जनमत-संग्रह माना था, में मतदाताओं ने राष्ट्रपति की मनमानी नीतियों को सख्ती से नकार दिया है।

एक प्रमुख राजनीतिक हस्ती ने स्थिति को सटीक रूप से व्यक्त किया : अमेरिकी मतदाता इस प्रशासन के कामकाज को लेकर “आक्रोश” में हैं। तीन अहम रायों और अमेरिका के केन्द्र, न्यूयॉर्क सिटी में रिपब्लिकन पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा। रिपब्लिकन समर्थन में आयी यह गिरावट कोई मामूली नहीं थी। इसका

- अति उस वक्त हो गई, जब ट्रंप ने वाइट हाउस का पूर्वी हिस्सा तुड़वा दिया, अपना ड्रीम बॉलरूम बनाने के लिए, जहाँ राजा की भाँति अपने शाही मेहमानों को दर्शन दे सके।

- एक सामान्य अमेरिकी के लिए वाइट हाउस उसके प्रजातंत्र का ऐतिहासिक प्रतीक है। अतः इस प्रतीक को तोड़कर पार्टियों के लिए बॉलरूम बनाना किसी के गले नहीं उतर रहा है।

- इसकी तुलना में ज़ोहरान ममदानी साधारण व्यक्ति हैं, जो आम जनता को, जो शटडाउन से त्रस्त थे, सोशल वेलफेयर देने के हिमायती थे।

सहयोगियों में आम अमेरिकियों की तकलीफों के प्रति असंवेदशीलता की भावना फैल गई।

इन तमाम अपावों के बीच, जब देश आर्थिक तंगी से गुजर रहा था, ट्रंप ने अपने आलीशान विला और क्लबों में भव्य पार्टियों का आयोजन किया, जबकि सरकारी कर्मचारियों और अन्य अमेरिकी नागरिकों को सरकारी खाद्य सहायता और अन्य सामाजिक लाभों से वंचित रहना पड़ा, क्योंकि सरकारी बंद (शटडाउन) का दौर चल रहा था।

ट्रंप की विलासिता की इस प्रवृत्ति ने तब और विनाशकारी मोड़ ले लिया, जब उन्होंने वाइट हाउस के पूर्वी विंग को ध्वस्त करने का आदेश दिया, जो अमेरिकी राज्य का सबसे ज्यादा पहचाने जाने वाला प्रतीक है। उन्होंने इसे (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

(शटडाउन) पर जाकर खत्म हुई। इसने हजारों संघीय कर्मचारियों को कठिनाई और आर्थिक संकट में डाल दिया। इससे राष्ट्रपति के करीबी

सऊदी अरब से आये यात्री से 534 ग्राम सोना पकड़ा

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) ने जयपुर एयरपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए रियाद (सऊदी अरब) से आए एक यात्री को सोने सहित पकड़ा है तथा उससे अंडरवियर में छिपाकर लाया गया

- डीआरआई ने जयपुर हवाई अड्डे पर यात्री को गिरफ्तार किया।

534 ग्राम सोना बरामद किया गया है। जब्त किए गए सोने की बाजार कीमत 66 लाख रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, रियाद (सऊदी अरब) से जयपुर आई फ्लाइट के यात्री को संदिग्ध मानकर जांच की गई। तलाशी में संदिग्ध यात्री के अंडरवियर में पेस्ट के रूप में छिपाकर लाया सोना मिला। डीआरआईटीम ने सोना तस्करी कर लाने के मामले में आरोपी तस्करी को पकड़ा। उसकी तलाशी में मिले करीब 534 ग्राम सोने को जब्त किया गया।

विवाह स्थलों के कानूनी प्रावधान से चलने की जाँच जेडीए करे

जयपुर, 5 नवंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर विकास प्राधिकरण को निर्देश दिए हैं कि वह जांच करे कि मैरिज गार्डन मास्टर प्लान और कानूनी प्रावधानों के अनुसार चल रहे हैं या नहीं? वहीं, अदालत ने प्रावधानों की

- हाई कोर्ट ने कहा, यदि चुनिंदा तरीके से कार्यवाही हुई तो जेडीसी पर कार्यवाही हो सकती है।

अवहेलना कर संचालित हो रहे मैरिज गार्डन पर कार्रवाई को कहा है। अदालत ने चेतावनी देते हुए कहा कि मामले में अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी और चुनिंदा तरीके से कार्रवाई करने पर जोन अधिकारी के साथ ही, जेडीसी पर भी कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जा सकती है। (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

-डॉ. सतीश मिश्रा-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 5 नवम्बर। अमेरिकी राजनीति में भारतीय मूल और दक्षिण एशियाई अमेरिकियों के लिए एक अहम घटनाक्रम में तीन प्रमुख नेताओं, ज़ोहरान ममदानी, आफताब पुरवाल और ग़ज़ाला हाशमी ने 2025 के चुनावों में बड़ी जीत दर्ज कर ट्रंप की राजनीति को गहरा झटका दिया है। यह देशभर में प्रतिनिधित्व और विविधता के लिए एक ऐतिहासिक क्षण माना जा रहा है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप की वाइट हाउस में दूसरी बार वापसी के बाद हुए पहले बड़े चुनावों में सत्तारूढ़ रिपब्लिकन पार्टी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि डेमोक्रेट्स ने 4 नवम्बर को हुए विभिन्न चुनावों में भारी जीत हासिल की। प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक मीरा नायर

के बेटे ज़ोहरान ममदानी, जो 34 वर्षीय डेमोक्रेटिक सोशलिस्ट विधायक हैं, ने न्यूयॉर्क सिटी के मेयर का कड़ा मुकाबला जीतकर इतिहास रच दिया। वे अमेरिका के सबसे बड़े शहर के पहले दक्षिण एशियाई और मुस्लिम मेयर बने हैं। इसे इस्लामोफोबिया और जायनिज़्म के खिलाफ एक मजबूत संदेश के रूप में देखा जा रहा है। यहाँ यह भी उल्लेखनीय है कि यहूदी लॉबी ने ममदानी को हराने के लिए पूरा जोर लगाया था और देशभर के रबियों ने उनके खिलाफ वोट डालने की अपील जारी की थी।

युगांडा में जन्मे ममदानी, जो फिल्मकार मीरा नायर और विद्वान महमूद ममदानी के पुत्र हैं, ने पूर्व न्यूयॉर्क गवर्नर एंड्रयू कुओमो (जो निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़े

- आफताब पुरवाल ने सिनेटर जेडी वैंस के भाई कोरी बोमैन को हराया। उल्लेखनीय है कि वैंस, ट्रंप की सरकार में उपराष्ट्रपति हैं।

- वैंस अपनी भारतीय मूल की हिंदू पत्नी उषा वैंस के बारे में यह टिप्पणी करके, कि उनकी पत्नी इसाई धर्म अपना लेगी, विवादित हो गये थे।

- ट्रंप के ब्रांड की राजनीति को पराजित करने का श्रेय अप्रवासी भारतीय व लैटिन अमेरिकन मूल के अमेरिकीयों को दिया जा रहा है।

थे) और रिपब्लिकन उम्मीदवार कर्टिस स्लिवा को हराया। 83 प्रतिशत वोटों की गिनती पूरी होने तक ममदानी को 9,48,202 वोट (50.6 प्रतिशत) मिले, जबकि कुओमो को 7,76,547 (41.3 प्रतिशत) और स्लिवा को

1,37,030 वोट प्राप्त हुए।

न्यूयॉर्क सिटी चुनाव आयोग के अनुसार, इस बार लगभग 20 लाख लोगों ने मतदान किया, जो 1969 के बाद से अब तक का सबसे अधिक मतदान है।